अगोस्टीनो की कहानी

LIDA Italia

Billie Cejka Risnes

Pratibha Singh

5

हिन्दी hi

मेरा नाम अगोस्टीनो है और मैं 51 साल का हूँ। मेरा काम साइकिल से खाना पहुँचाना है। मेरी दो बेटियाँ हैं, लेकिन हम शायद ही कभी बात करते हैं। उनकी माँ और मैं अब साथ नहीं रहते क्योंकि हम तलाकशुदा हैं।

मैं अपनी माँ के साथ रहता हूँ, क्योंकि मैं तलाक के बाद किराया नहीं दे सकता। इस शहर में किराया बहुत महंगा है।

कुछ महीने पहले मैं एक कंपनी के लिए एक चौकीदार के रूप में काम कर रहा था। मैंने उन चीज़ों की मरम्मत की जो टूटी हुई थीं, बक्से उठाए, और ज़रूरतमंदों मदद की। एक दिन कंपनी ने मुझे निकाल दिया। मुझे समझ नहीं आया क्यों।

मैने कई लोगों को साइकिल से खाना पहुँचाते देखा। मैं साइकिल चला सकता हूँ, इसलिए मैंने एक बड़ी डिलीवरी कंपनी का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने मुझे प्रत्येक डिलीवरी के लिए तीन यूरो की पेशकश की। मैं प्रति दिन 40€ कमाता हूँ, अगर भाग्य मेरे साथ हो तो और अगर ग्राहक मुझे टिप देदे तो 60€ तक भी कमा लेता हूँ।

छुट्टी वाले दिन के मुझे पैसे नहीं मिलते, बीमारी की वजह से छुट्टी लेने पर भी नहीं, कुल मिलाकर शायद ही मेरे पास कोई अधिकार है। मुझे नहीं लगता कि यह सही है, लेकिन मुझे नौकरी की ज़रूरत है। ज़्यादातर बाकी कर्मचारी दुनियाँ के अलग-अलग कोने से आए प्रवासी हैं।

रोज़ाना खाना पहुँचाने वाले बहुत से लोगों को हादसों में चोटें लगती रहती हैं। लेकिन जब 25 साल के खाना पहुँचाने वाले एक आदमी की किसी कार से टक्कर होने की वजह से मौत हो गई, तब से अधिकारी हमारे बारे में ध्यान देने लगे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसकी मौत होने से पहले ऐसा नहीं हुआ।

मैंने दूसरी कंपनियों के अन्य डिलीवरी वालों के साथ एक स्थानीय श्रमिक संघ के साथ कामगारों के अधिकारों पर एक पाठ्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने हमें मुफ्त में क़ानूनी सलाह दी। हमने बेहतर अधिकार और मान्यता प्राप्त करने के लिए संघर्ष किया।

एक लंबे समय के बाद हमें हमारे कठिन परिश्रम का फल मिला। एक बड़ी डिलीवरी कंपनी को अच्छा-खासा जुर्माना देना पड़ा और कर्मचारियों को स्थायी नौकरियाँ देनी पड़ी। पूरी दुनिया में ऐसा पहली बार कहीं हुआ था। ऐसा लग रहा है कि चीज़ें बेहतर होने लगी हैं।

LIDA Stories

lidastories.net

अगोस्टीनो की कहानी

LIDA Italia
Billie Cejka Risnes
Pratibha Singh

CC BY